सम.-11014/7/2019-समन्वय

भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

(समन्वय प्रभाग)

****

तृतीय तल, कौशल भवन, न्यू मोती बाग,
नई दिल्ली-110023
दिनांक:11 मार्च, 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय से संबंधित मंत्रिमंडल के लिए मासिक सारांश।

मुझे जनवरी, 2024 के महत्वपूर्ण कार्यकलापों का मासिक सार अंग्रेजी और हिंदी में, सूचनार्थ अग्रेषित करने का निदेश हुआ है।

संलग्नक: यथोक्त

11/3/2024

(अखिलेश कुमार रॉय)
अवर सचिव (समन्वय)

प्रति:
भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

प्रतिलिपि सूचनार्थ:
मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110001

जनवरी, 2024 के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ/पहलें इस प्रकार हैं:

1. भारत की महामहिम राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 24 जनवरी, 2024 को माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राजीव चन्द्रशेखर एवं अन्य सम्मानित अतिथिगण की उपस्थिति में कौशल भवन का उद्घाटन किया कौशल भवन विचारों, सहभागिता और प्रमुख कौशल विकास पहलों को एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है।

2. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने 30 जनवरी 2024 को कौशल भवन, नई दिल्ली में जर्मन संघीय श्रम और सामाजिक मामलों के मंत्रालय (बीएमएएस) की राज्य सचिव सुश्री लियोनी गेबर्स के नेतृत्व में भारत दौरे पर आए जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक वार्ता की मेजबानी की। इस वार्ता का उद्देश्य कौशल विकास के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को और बढ़ाना और भारत से जर्मनी तक कुशल कार्यबल की गतिशीलता के लिए मार्ग प्रशस्त करना था। यह संवाद जर्मनी में कार्यबल की कमी को दूर करने के लिए भारत के कुशल कार्यबल का उपयोग करने पर केंद्रित था।

3. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 11 जनवरी, 2024 को महात्मा मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र गांधीनगर, गुजरात में आयोजित जीवंत गुजरात शिखर सम्मेलन 2024 में कौशल विकास के लिए वैश्विक नेटवर्क विकसित करने पर उद्घाटन सत्र में भाग लिया। माननीय केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर बल दिया कि 'कौशल विकास के लिए वैश्विक नेटवर्क विकसित करना' इस अत्यधिक अन्योन्याश्रित दुनिया में सफलता प्राप्त करने की कुंजी है तथा उन्होंने वैश्विक कौशलीकरण मैपिंग और कौशल सामंजस्य जैसी पहलों के माध्यम से कौशल की कमी को दूर करने के लिए जी20 समूह के समर्पण पर प्रकाश डाला।

4. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 26 जनवरी, 2024 को 100 से अधिक उद्यमियों के साथ बातचीत की, जिन्हें राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड), भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई), और कुशल भारत की प्रमुख स्कीम - प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) जैसी विभिन्न कौशल विकास संस्थानों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया था। इन उद्यमियों के साथ बातचीत करते हुए माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पहली बार है कि कौशल इकोसिस्टम के उद्यमियों को गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि होने का सम्मान दिया गया है और उन्होंने व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए उद्यमियों की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया, जो भारत में कौशल विकास और उद्यमशीलता इकोसिस्टम में एक नई सुबह की शुरुआत कर रहा है।

5. प्रधान मंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेला (पीएमएनएएम): राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सलाह दी गई है कि वे राज्य के कुल जिलों के 1/3 में प्रत्येक दूसरे सोमवार को पीएमएनएएम आयोजित करें ताकि सभी जिलों को तीन माह में एक बार और वर्ष में चार बार कवर किया जा सके। राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को स्थानीय परिस्थितियों/त्योहारों आदि के आधार पर जिला/स्थान और मेला का दिन चुनने की छूट दी गई है। तदनुसार, जनवरी माह हेतु पीएमएनएएम का आयोजन 08 जनवरी, 2024 को किया गया था। इसके साथ ही जून, 2022 के महीने से देश में 3,542 स्थानों पर पीएमएनएएम का आयोजन किया गया है।

कुल मिलाकर, उम्मीदवारों की संख्या 4.64 लाख तक पहुंच गई है और पीएमएनएएम में भाग लेने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या 27,275 है। पीएमएनएएम शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए एक एडवोकेसी मंच के रूप में भी कार्य करता है। प्रत्येक माह पीएमएनएएम के बाद, आगामी 20 दिनों के लिए शिक्षुता अनुबंधों को ट्रैक किया गया और 7.22 लाख शिक्षुता अनुबंध सृजित पाए गए, जिसमें पीएमएनएएम के अलावा सृजित अनुबंध भी शामिल हो सकते हैं।

ii. **शिक्षुता प्रशिक्षण की स्थिति**: वर्तमान वित्तीय-वर्ष 2023-24 के दौरान सम्बद्ध शिक्षुओं की संख्या 31 जनवरी 2024 तक 7,54,714 है। 31 जनवरी 2024 तक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षुओं की कुल संख्या 7.4 लाख है। 31 जनवरी 2024 तक शिक्षुओं को नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 44,244 है।

iii. **डीबीटी की स्थिति** : डीबीटी को 11 अगस्त, 2023 को राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) के अंतर्गत शुभारंभ किया गया था। डीबीटी के माध्यम से भाग लेने वाले शिक्षुओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है और जुलाई, 2023 (1,64,652) से जनवरी, 2024 (2,69,509) तक 47% की वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान, 190.14 करोड़ रुपए की वृत्तिका की भारत सरकार की भागीदारी डीबीटी के माध्यम से शिक्षुओं को वितरित की गई है।

6. बैठक और कार्यशाला:

i. सचिव, एमएसडीई की उपस्थिति में मुख्य सचिवों के द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसीएस) की अनुशंसा पर एक उन्मुखीकरण-सत्र 31 जनवरी, 2024 को कौशल भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस सत्र में एमएसडीई, एनसीवीईटी, डीजीटी, आरडीएसडीई, आईआईई, निस्बड, एनएसडीसी के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था।

ii. शिक्षा संस्थानों में पीएमकेवीवाई 4.0 के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण हेतु गठित संयुक्त कार्य दल की चतुर्थ बैठक 18 जनवरी, 2024 को एमएसडीई, डीओएसईएल और डीएचई, एमओई के संयुक्त सचिवों की सह-अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

iii. एमएसडीई के तहत एक स्वायत्त निकाय, भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई) ने त्रिपुरा राज्य के गोमती जिले के 3 ब्लॉकों में पीएम-जनमन परियोजना के तहत 8 से 12 जनवरी 24 तक 5 विशिष्ट रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) में एक जागरूकता अभियान और 5 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

iv. एमएसडीई के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) ने 26 दिसंबर 2023 से 12 जनवरी 2024 तक 14 विभिन्न देशों के 23 प्रतिभागियों के लिए 'मानव संसाधन विकास और उद्यमशीलता शिक्षा' (एचआरडी-ईई) पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम - तीन सप्ताह का ऑन-कैंपस अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया।

v. एमएसडीई ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में केंद्रीय मंत्रालय और संबंधित कार्यालयों, स्कूलों और आईटीआई की 10,000 महिला कर्मचारियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यान्वित

करने के लिए खेल, शारीरिक शिक्षा, फिटनेस और अवकाश कौशल परिषद (एसपीईएफएल-एससी) के साथ भागीदारी की।

जनवरी, 2024 के दौरान तीन आईटीआई में कुल 545 महिला उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

7. जन शिक्षण संस्थान, संकेन्द्रण के भाग के रूप में, सरकार की प्रमुख स्कीम अर्थात् पीएम विश्वकर्मा (पीएमवी) को कार्यान्वित कर रहे हैं। इस स्कीम के विभिन्न ट्रेडों के तहत पूरे भारत में 40 जेएसएस में पीएमवी के तहत प्रशिक्षण शुरू किया गया है।

8. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से युवा कार्यक्रम के तत्वावधान में दिल्ली पुलिस के साथ एक परियोजना कार्यान्वित कर रहा है। यह परियोजना न केवल देश में बल्कि दुनिया भर में अपनी तरह की अनूठी परियोजना है, जहां स्थानीय पुलिस स्टेशनों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। युवा 2.0 के तहत कुल 10,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया जाना है, जिनमें 40 प्रतिशत महिला लाभार्थी शामिल हैं। जनवरी, 2024 तक कुल 9,275 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया है।

9. आजीविका संवर्धन के लिए कौशल अर्जन और ज्ञान जागरूकता (संकल्प) स्कीम के भाग के रूप में, अवसर परियोजना का उद्देश्य भारत के भीतर उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण अर्थात 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा में समाहित है, को साकार करना है, साथ ही 'सबका साथ सबका विकास' के सिद्धांत और नवीन ज्ञान प्रसार विधियों के माध्यम से समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। यह परियोजना 12 राज्यों में स्व-सहायता समूहों (एसएचजी), ट्रांसजेंडर समुदाय, महिलाओं और अल्पसंख्यक समूहों के 4,500 उम्मीदवारों को कौशल और उद्यमशीलता विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। 31 जनवरी 2024 तक, कुल 3,495 महिला उम्मीदवारों को सामान्य ड्यूटी सहायक, मशरूम खेती, जैविक उत्पादक, सौंदर्य चिकित्सक, हाथ की कढ़ाई और स्व-रोज़गार सिलाई सहित विभिन्न जॉब रोल्स में प्रमाणित किया गया है।

10. उपर्युक्त पहलों के अलावा, सभी प्रदेयों के त्वरित निपटान में अत्यधिक तत्परता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अनेक आंतरिक उपायों के माध्यम से कार्य निष्पादन को युक्तिसंगत बनाने की चल रही प्रक्रिया जारी रही।

******